



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5]
No. 5]

नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 12, 1982/अश्विन 20, 1904
NEW DELHI, TUESDAY, OCT. 12, 1982/ASVINA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन
सूचना

जयपुर, 5 अक्टूबर, 1982

संख्या: राजसहा/आ० अर्जन/1394.--यतः मुझे मोहन सिंह आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका
उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं
13सी है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 23-1-1982 को पूर्वांकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिकल के लिए, अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरका (अन्तरकों) और अन्तरिका (अन्तरिकतियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, आयकर अधिनियम,
1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें
भारतीय धाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)
या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
ठियान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न-
लिखित ध्यवित्तियों, अधीन :-

(1) श्री विष्णु सिंह पुत्र श्री गम्भू दयाल स्वयं एवं सुकतार राम
कुसुम भट नागर एवं अन्य,
नं०-1, स्टाफ क्वार्टर्स, जे०डी० कालेज, देहली (अन्तरक)

(2) श्रीमती मोना बट्टेर परित श्री जी० सी० बट्टेर,
13 सी०, न्यू कालोनी, जयपुर (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिदा

करता है। उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्पत्ति में कोई भी आशय -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं० 13 सी, न्यू कोलोनी, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 75 दिनांक 23-1-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

Office of the I.A.C Acquisition Range,
Central Revenue Building,
Jaipur

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

No. Rej/IAC(Acq.)/1394.—Whereas, 1, Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot. No. 13-C situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishnu Singh, S/o Shri Shambhu Dayal Self (Transferor) CPA holder of Kusum Bhatnagar and Others B-1, Staff Quarters, J D. College, Delhi

(2) Smt. Meena Bader, W/o Shri G. C. Bader (Transferee) 13-C, New Colony, Jaipur.

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property situated at Plot No. 13-C, New Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 75 dt. 23-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 द (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आदेश संख्या: राज/सहा/आ अंजं 1396—यत्. मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 द के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, के तारीख 4-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल्प के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल्प से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल्प के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिका (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल्प, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बाध्यत्व में कर्मा करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 द की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् —

- (1) श्रीमती अमृत बाई परित श्री अजलूजी गांधी, आफिसमें मेस के सामने पुराना पानी रोड जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्री सोनाराम पुत्र हरजी बिश्नोई,

जोधपुर

(अन्तर्लिखित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिसर्स मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जोधपुर पर स्थित 214 गज जमीन जो उप पञ्चायक, जोधपुर द्वारा क्रम-संख्या 44 दिनांक 4-1-82 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1396.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Anrit Bai, W/o Shri Achaluji Gandhi, (Transferor) In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur.
- (2) Shri Sona Ram, S/o Harji Bishnoi, Jodhpur, (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said

property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 44 dated 4-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आदेश संख्या: राज० सहा० भा० अर्जन/1397 ---यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती अमृत बाई पति श्री अचलजी गोधी, आफिसर्स मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्री पोकर राम पुत्र श्री खूजाराम, राहिया सीबानी, जोधपुर (अस्तित्व) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

214 वर्ग गज हंगल भूमि स्थित आफिसर्स मेस के सामने, मोल्ड पाली रोड, जोधपुर जो उक्त पंजाब, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 43 दिनांक 4-1-82 पर निम्नलिखित विवरण पत्र में आर विस्तृत रूप में विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jodhpur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Ref/JAC (Acq)/1397.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Amrit Bai W/o Shri Achalaji Gandhi, In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur.Transferor

(2) Shri Pokar Ram, S/o Shri Khoja Ram, Rahida Ki Dhani, Jodhpur.Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of

this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 214 sq. Yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur, vide No. 43 dated 4-1-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख (1) के अधीन सूचना

जोधपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आवेष्ट संख्या : ए/ज/सहो/आ/अर्जन/1398.—यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अमृत बाई परित श्री अचलजी गांधी .
आफिसर्स मेस के सामने, मोल्ड पाली रोड, जोधपुर. (अन्तरक)

(2) जोगा राम पुत्र श्री पन्ना राम, गुडा बिरुनोई, जोधपुर. (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

- इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख पर

30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

214 वर्ग गज की होल्ड भूमि, स्थित आफिसर्स मैसे के सामने, मोल्ड पाली रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 42 दिनांक 4-1-82 पर पंजीबद्ध विप्रेत पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D [II] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1398.—Whereas I Mohan Singh being the competent authority under Section 269A of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Amrit Bal, W/o Shri Achaluji Gandhi, in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur.Transferor
- (2) Shri Joga Ram, S/o Panna Ram, Gurha Bishnoi, JodhpurTransferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 42 dated 4-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आदेश संख्या राज०/सही० बा० अर्जन/1399.—यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवेक करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-1-1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्मान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या
- ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती अमृत बार्दे, पति श्री अचलुजी गांधी, आफिसर्स मैसे के सामने, मोल्ड पाली रोड, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री जालाराम, पुत्र श्री गोगाराम, गुहा बिसौद, जोधपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास निम्नलिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

214 वर्ग गज जमीन स्थित आफिसर्स मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 41 दिनांक 4 जनवरी, 1982 पर पंजीयक विवरण पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Ref/IAC (Acq.)/1399.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur, on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Amrit Bai, W/o Shri Achalaji Gandhi, In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur
.....Transferor

(2) Shri Jhala Ram, S/o Shri Goga Ram, Gurha Bishnoi, Jodhpur
.....Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 41 dated 4-1-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269B (1)
के अधीन सूचना

जोधपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आवेष्टा संख्या : राज०/सहा०आ० अर्जन/1400.—यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 41 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) प्लॉट रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमन जोशी पत्नि श्री नन्द किशोर जोशी,
जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी सिन्धवी पत्नि श्री नखतराज सिन्धवी,
10-भी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर (अन्तरिका)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

500 वर्ग गज फ्रीहोल्ड लेण्ड, स्थित प्लॉट नं० 86, चीरघर, मसूरिया चौपासनी रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 178 दिनांक 14-1-82 पर पंजीयक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October. 1982

Ref .No. Ref/LAC (Acq.)/1400.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax, Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax 1957 (7 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Suman Joshi, W/o Shri Kishore Joshi,
Jodhpur. Transferor

(2) Shrimati Laxmi Singhvi, W/o Shri Takhat Raj
Singhvi, 10-C, Road, Sardarpura, Jodhpur. Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 500 sq. yds. situated at Plot No. 86, Cheer Gar, Masuria, Chopasani Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur, vide no. 178 dated 14-1-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority

